रिपोर्ट - 2

‘जयपुर की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक यात्रा’

24-26 दिसंबर 2023

माननीय कुलपति प्रो. अनु सिंह लाठर जी के सहयोग एवं मार्गदर्शन तथा साहित्य अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता और हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो.सत्यकेतु सांकृत निर्देशन में हिंदी के प्राध्यापकों ने शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों सहित **‘जयपुर की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक यात्रा’** का आनन्द लिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. महेन्द्र प्रजापति ने लिया। इस यात्रा में निम्न स्थानों का भ्रमण किया गया-

1. चोखी ढाणी
2. मोती डूंगरी
3. बिरला मंदिर
4. गोविंद देव मंदिर
5. हवा महल
6. आमेर का किला
7. खोले के हनुमान जी
8. अन्नकूट माता
9. रोपवे से वैष्णो माता
10. परकोटा जयपुर मार्केट
11. अल्बर्ट हाउस
12. बिरला प्लेटिनम तारा मंडल

Dr. B. R. AMBEDKAR UNIVERSITY DELHI
डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली
विकसित भारत @ 2047
से प्रेरित हिंदी विभाग के "युवा" विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों हेतु जयपुर की
शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक यात्रा
24 - 26 दिसम्बर 2023

चोखी ढाणी

वैष्णों धाम, पुष्कर मंदिर जैसे भारत के प्रमुख धार्मिक स्थान और राजस्थान की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक धरोहर के जिवंत रूप को चोखी ढाणी में महसूस किया जा सकता है। राजस्थान की विभिन्न कलाओं का सुन्दर प्रदर्शन और खेती किसानी का अनूठा यह अनोखा स्थल चोखी लाखों पर्यटकों के घुमने केंद्रबिंदु है। हमारे विद्यार्थियों ने यहाँ पांच घंटे घूमकर राजस्थान के इतिहास और कला-संस्कृति का परिचय प्राप्त किया और नृत्य, गीत का आनंद लेते
हुए दिव्य भोजन भी किया।

मोती डूंगरी (बड़े गणेश जी का मंदिर)

गणेश जी का यह सिद्ध मंदिर जयपुर के शुभकार्यों में प्रथम पूज्यनीय है।

यहाँ गणेश जी की विशाल प्रतिमा है।

बिरला मंदिर

बिरला मंदिर भगवान् विष्णु और माता लक्ष्मी के लिए जाना जाता है। जयपुर के इस भव्य मंदिर में स्थित लक्ष्मी-नारायण की दिव्य प्रतिमा आकर्षित करती है। सुन्दर और मनोरम परिसर भव्यता के कारण दर्शनीय है।

गोविंद देव मंदिर

कहते हैं बिना गोविंद देव मंदिर का दर्शन किए जयपुर की यात्रा पूरी नहीं होती। ऐसा मानना है कि कृष्ण यहाँ साक्षात् रूप में विराजित हैं। जयपुर के धार्मिक स्थलों में इसका सबसे अधिक महत्त्व है। इस मंदिर क्र प्रति लोगों में विशेष आस्था और समर्पण है।

हवा महल

जयपुर के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों में एक हवा महल भारतीय कला का अनूठा नमूना है। इसका निर्माण इस तरह से हुआ है कि अन्दर हर तरफ से हवा आती है।

आमेर का किला

आमेर का किला जयपुर का प्रधान पर्यटक केंद्र है। इसमें दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, शीश महल, सुख निवास भाग अनूठा है। इसी के अन्दर चैतन्य पंथ की देवी शिला को समर्पित एक सुन्दर मन्दिर भी है

खोले के हनुमान ज, वैष्णों जी और अन्नकूट माता

हनुमान का का सिद्ध मंदिर और आस्था का केंद्र। यहीं से ऊपर रोपवे से मनोरम और सिद्ध वैष्णों माता का मंदिर भी है। खोले के हनुमान जी के

मंदिर के ऊपर बारह पवन ज्योतिर्लिंगों और राम दरबार का भव्य मंदिर है। इसी मंदिर में अन्नकूट माता का मंदिर भी है।

परकोटा जयपुर मार्केट

जयपुर की यह मार्केट विश्वभर में प्रसिद्ध है। राजस्थान के ट्रेडिशनल वस्तुओं का भव्य संग्रह यहाँ मिलता है। रात्रि के समय इसकी छटा और निराली हो जाती है। अभी क्रिसमस और नए वर्ष में इसे भव्यता से सजाया गया है। हमारे विद्यार्थियों ने यहाँ तीन घंटे का समय बिताया और बहुत सारा सामान ख़रीदा।

अल्बर्ट हाउस

जयपुर के ऐतिहासिक स्थानों में एक अल्बर्ट हाउस विश्व की कलाओं का अनूठा संग्रह है। मूर्ति कला, तलवारें, बंदूकें और मिटटी, कांच, चीनी मिटटी के बर्तनों का अनोखा संग्रह जो अन्य कहीं नहीं मिलेगा। स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ा यह स्थान यहाँ प्रमुख स्थान है।

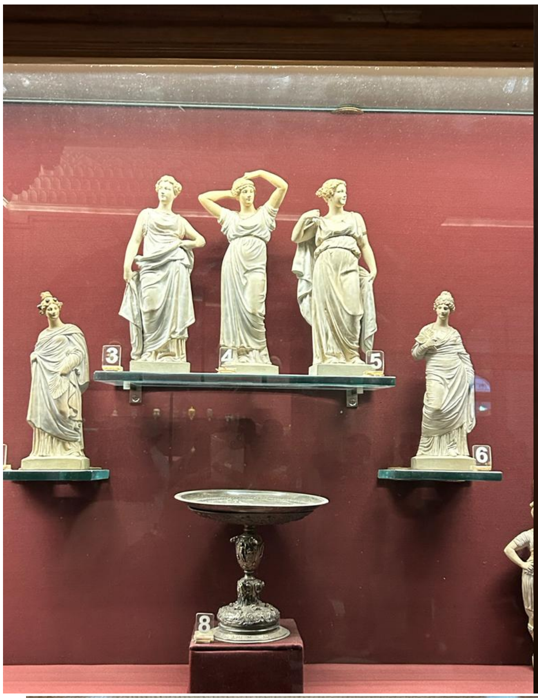

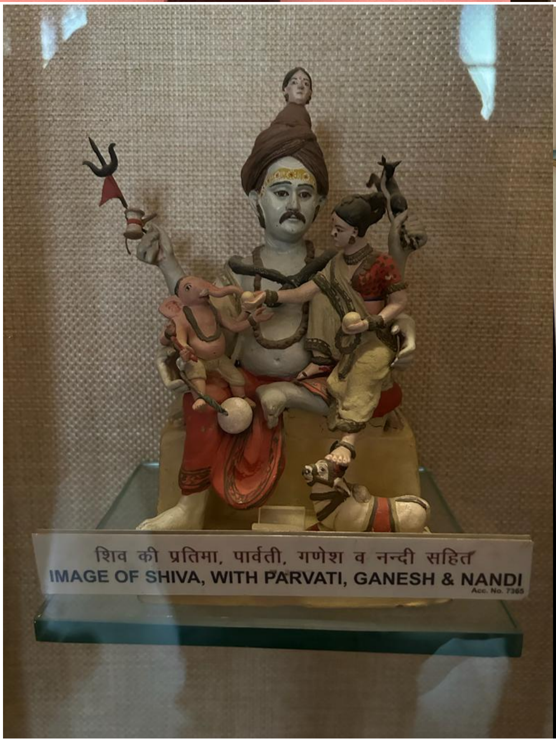
शिव की प्रतिमा, पार्वती, गणेश व नन्दी सहित
IMAGE OF SHIVA, WITH PARVATI, GANESH & NANDI